



“Hamara bana, parda-mukt Haryana”

A joint-venture of
Akhil Bhartiya Mahila Shakti Manch
and
Nidana Heights



www.nidanaheights.com

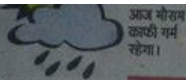
Details of 1st program held for the subjected cause: 31 men unveiled their women at the first program held at Mahalakshmi Senior Secondary School in Bad-Peepli village of Kurukshetra under the leadership of Dr. Santosh Dahiya, President Akhil Bhartiya Mahila Shakti Manch with prime support of Sarpanch and Panches of Peepli along with villagers and of course the school principle and staff. The venture thanks all who supported the cause.

Our context and strategy: पर्दा-प्रथा को अब अलविदा करने का वक्त -

<http://www.nidanaheights.com/EH-hn-parda-partha.html>

Various Media Coverage of the event:

- 1) Tribune India: Mission against purdah begins in Kurukshetra village - <http://www.tribuneindia.com/2014/20140501/haryana.htm#19>
- 2) Times of India: Haryana village sheds purdah - <http://timesofindia.indiatimes.com/home/lok-sabha-elections-2014/news/Haryana-village-sheds-purdah/articleshow/34453963.cms>
- 3) Dainik Jagran:



आज मौसम काफ़ी गर्म रहेगा।
न्यूनतम 22.0
अधिकतम 94.0

हरियाणा जागरण

पंजाब, 1 मई 2014

एक नजर

वीसी कार्यालय पर बीएमएस छात्रों से घक्का-मुक्की

रोहताक : बीएमएस की छिपी और मनमंजिल के लिए सर्वप्रथम रण प्रदेश के छात्र अखिल भारतीय महिला संघ के छात्र-छात्रिकाओं के साथ बुधवार को वीसी कार्यालय में घक्का-मुक्की हुई। इस दौरान एक छात्र कोटिल हो गया, जबकि एक छात्र का मोबाइल टूट गया। हालांकि वीसी ने दो छात्र प्रतिनिधियों से कार्यालय पर बुलवार लगाने का फैसला नहीं किया और एक माह के भीतर समस्या के निराकरण का निर्देश आदेशन दिया।

पेपर उतीर्ण के लिए दिया विशेष सौका

रोहताक : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने प्री-पेपर की अस्थिरता को री-अपेयर के लिए उतीर्ण करने के लिए विशेष अवसर देने का निर्णय लिया है। यह विशेष अवसर परीक्षा मई/जून 2014 में आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. बीरम सिन्घु ने बताया कि इस संघ में 15 मई तक तीन हजार रुपये परीक्षा शुल्क के साथ परीक्षा फार्म भरा जा सकता है। परीक्षा फार्म ई-मार्गदर्श प्रणाली में जमा होगा।

कुवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने बुधवार को कई कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित किए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. वृद्धम सिंह ने बताया कि दिसंबर 2013 में आयोजित बीसवीं वृत्तीय सत्र के परीक्षा में भाग लेने वाले 2554 विद्यार्थियों में 1099 एम एस्सी परीक्षाएं आयोजित की गईं और 322 में से 24 एम एस्सी परीक्षाएं प्रथम सत्र के 212 में से 87 एम एस्सी परीक्षाएं प्रथम सत्र के 27 में से 6 वृत्तीय सत्र के 16 में से 6 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की है।

पहले ही दिन पूरा गांव पर्दा मुक्त नए हाथों में होगी लंबी

31 महिलाओं ने तोड़ी पश्चर की चेड़िया

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : पटौन/जिन अधिवान का आगज उम्मेद से की उजवा रातदार रहा। पहले दिन पूरा कीड़ पिपली गांव पटौन/जिन हो गया। इस छोटे से गांव में 31 परिवारों की सहायता से अब महिलाओं को पर्दे से हमेशा के लिए मुक्ति मिलेगी और उनकी खुशी देखने लायक थी।

अधिवान की संस्थापक अखिल भारतीय महिला संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष देहिया ने महिलाओं को साहस जुटाने और पुरुषों को सहयोग देने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जलद ही पूरे प्रदेश को पर्दा मुक्त करने के अधिवान में सकलता मिलेगी। बुधवार को ग्राम पंचायत और राष्ट्रीय महिला संघ की ओर से महालक्ष्मी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 31 महिलाओं और उनके परिवार के सदस्यों ने इस बुजुर्गों को सम्मान करने में सहयोग दिया। मंच की अध्यक्ष डॉ. संतोष देहिया ने कहा कि आज के आधुनिक समाज में जब हर महिला पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलकर चल रही है। ऐसे में उर्रे पर्दे में रहना अधिशाप के समान है और इसके लिए जहाँ पुरुषों से सहयोग की अपेक्षा है वहाँ महिलाओं को भी अपनी आजादी की लड़ाई लड़नी होगी। कार्यक्रम में निहाल हाइटर के संस्थापक वृद्ध कुमार मलिक का भी सहयोग रहा।



कुरुक्षेत्र के बीड़ पिपली में बुधवार को आयोजित पर्दा मुक्त अधिवान कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीण महिलाएं व अन्य।

बुजुर्गों ने भी दिया आशीर्वाद

कार्यक्रम में आई बुजुर्गों का देवी का कहना है कि वे भयानक के साथ हैं और जब बच्चे पर्दा हटाते हैं तो उनकी परदे से रहने की कोई जरूरत नहीं रहती। केवल पर्दे से ही बुजुर्गों को सम्मान नहीं हो सकता। इसके लिए बच्चों का सम्भारवान होना जरूरी है।

ग्रामीणों ने दिया पूर्ण सहयोग

गांव के सरपंच गजेश सेनी ने बताया कि पूरा गांव आज पर्दा मुक्त है। अधिवान के पहले दिन मिली कामयाबी और गांव के गवाह बनने पर ग्रामीणों और मंच का धन्यवाद किया है।

अधिवान संवाददाता, रोहताक : रोहताक विभाग ने पश्चिम पूर्वी कन करने के लिए याचिका दायर की है। विभाग ने अखिल भारतीय महिला संघ के छात्र-छात्रिकाओं के साथ बुधवार को वीसी कार्यालय में घक्का-मुक्की हुई। इस दौरान एक छात्र कोटिल हो गया, जबकि एक छात्र का मोबाइल टूट गया। हालांकि वीसी ने दो छात्र प्रतिनिधियों से कार्यालय पर बुलवार लगाने का फैसला नहीं किया और एक माह के भीतर समस्या के निराकरण का निर्देश आदेशन दिया।

HEIGHT GROW

उसके लिए विभाग ने लंबी दूरी की बसों के परिवहन को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। रोहताक विभाग में अधिकांश बसों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। रोहताक विभाग में अधिकांश बसों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है।

Offer Price: ₹ 3570/-

Call: 09889083475, 09889836790, 09935987810

MB

(NBA Accredited)

On 3 May Apply at Ph...

4) Hari-Bhoomi:

रोहताक, कुरुक्षेत्र, 1 मई 2014

हरियाणा | हरिभूमि 2

गीता की धरती से शुरू हुआ 'म्हारा बाणा, पर्दा मुक्त हरियाणा'

पवन आशी. कुरुक्षेत्र

उनके मन में संकोच भी था और कुल शर्म भी थी। लेकिन उन्होंने मन में ठान ली थी कि अब इस संकोच और शर्म को हमेशा के लिए दूर कर देंगी। बुधवार को इसकी शुरुआत कर दी और बरसों से तान रहे घुंघट को उतार दिया। बात हो रही जिले के गांव बीड़ पिपली का, जहाँ बुधवार को 31 महिलाओं ने पर्दा प्रथा से मुक्ति पा ली। इसके लिए प्रेरणा स्रोत बनी अखिल भारतीय महिला संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष देहिया और निधान हाईटस

बुजुर्गों से मांगा सहयोग

अखिल भारतीय महिला संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष देहिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले बुजुर्गों से मुहिम को तेज करने के लिए न केवल आशीर्वाद मांगा, अपितु यह भी रखा कि वे मुहिम को प्रदेश में जोर-शोर के साथ चलायें। बुजुर्गों से महिलाओं के घुंघट हटवाने के बारे में अपनी की जाएगी और उन्हें सम्झाया भी जाएगा। संस्कार पर्दे में नहीं होते अपितु मानव में स्वयं जगृत होते हैं।

कुरुक्षेत्र : बीड़ पिपली में घुंघट उठाकर म्हारा बाणा पर्दा मुक्त हरियाणा अधिवान की शुरुआत हुई। मौके पर अखिल भारतीय महिला संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष देहिया ग्रामीणों के साथ मौजूद रहीं।

हरियाणा' अधिवान की जोरदार तरीके से शुरुआत की गई। गांव के महापौर सी.सी. स्कूल में घुंघट उठाओ समारोह में महिलाएं पतिव्रतों के साथ घुंघट करके तो आईं। डॉ. देहिया के कहने पर समुदाय के सम्मुख घुंघट खोल दिए। समारोह में पहुंचने वाली महिलाओं में इस अधिवान के प्रति काफी उत्साह था। महिलाओं ने घुंघट उठाकर पर्दा मुक्त हरियाणा की शुरुआत की।

ये रहे मौजूद

ग्राम पंचायत बीड़ पिपली के सरपंच राजेश सेनी, मन मंदरपाल सिंह, पंच ईश्वर सेनी, पंच कुसुमलता, पंच सुमन लता, संदीप सेनी, वृद्धा, पूरम, मोनिका देवी, रोशनी व कमलेश भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

शर्म तो भई आंखों की पूर्व उपराज्यपाल व भिवानी जिले की प्रथम सांसद रह चुकी चन्द्रवती का ये दृक कहना है कि शर्म तो भई आंखों की है ये पर्दे की नहीं। परिवारिक तालमेल जरूरी है, महिलाएं और पुरुष खुद समझें कि घुंघट कहां तक जायज है।

चन्द्रवती

बहों का आदर करें सामाजिक विकर वी. दर्याकिशन बुरा का मानना है कि महिलाएं आंखों की शर्म से भी बड़ी का आदर कर सकती हैं वह नहीं कि पर्दे से भी ही सोच जाहिर होती है। हम सभी को अपने बड़ी का सम्मान करना चाहिए।

नीलम अग्रवाल

बंदनों से मुक्ति जरूरी महिलाएं को बंदनों से मुक्ति जरूरी है। ग्रामीण महिलाएं कुटिल हो चुकी हैं कि शहरी महिलाओं से भी बात करते समय घुंघट रखती हैं। सफाया प्रदेशा अध्यक्ष नीलम अग्रवाल का कहा कि गांवों में महिलाएं बाँदियों में जकड़ी हैं। (प्रस्तुति: राजेंद्र चौहान)

गांव रामराये मंदिर में वारदात, पांच लोग गंभीर

रेसक्यू आपरेशन से उतारा सांड

हरिभूमि न्यूज. नरवाना
गांव डोहाना खेड़ा स्थित जलधर की

5) Hindustan Times:



6) Jag-Marg Kurukshetra:

जग-मार्ग कुरुक्षेत्र
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सूने ने व्यापारी से ढाई लाख लूटे

गंगा में बच्चों की प्रतिभा

घूँघट प्रथा के खिलाफ महिलाओं ने उठाई आवाज



कुरुक्षेत्र: पदा प्रथा के खिलाफ गाँव बीड़ पिपली में महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल में 31 महिलाओं ने अपना घूँघट उठा कर इस प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई। इन महिलाओं ने जिंदगी में कभी घूँघट न करने का संकल्प भी लिया।

अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच की अध्यक्ष संतोष दहिया ने कहा की शर्म तो आंखों में होती है घूँघट से नहीं। पदा प्रथा असल में कोई प्रथा ही नहीं है, गुलामी के समय में घर की बेटी-बहुओं को बुरी नज़रों से बचाने के लिए मजबूरन यह कदम उठाया गया था, लेकिन आज हमारा समाज आज़ाद है। 'हमारा हरियाणा पदा मुक्त बाणा' नाम से यह मुहीम के तहत अब महिलाओं ने घूँघट से बाहर निकल कर अपने हकों की आवाज बुलंद करने की ठान ली है। अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच द्वारा हमारा हरियाणा पदा मुक्त बाणा अभियान शुरू किया गया संतोष दहिया ने कहा कि काफी समय से चली आ रही पदा प्रथा को एक दम खत्म कर पाना संभव नहीं है, लेकिन हम सब मिल कर इसके खिलाफ मुहीम चला कर जागरूकता लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। युवा वर्ग को अपने बुजुर्गों का मान-सम्मान करना चाहिए। संतोष दहिया ने सभी से आह्वान किया कि इस मुहीम में वो साथ दे। अब यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जायेगा।

नाबालिग से नौकरी कराने के आरोप में एक के खिलाफ मामला दर्ज

कुरुक्षेत्र: नाबालिग युवक से दकान पर

पंजाब केसरी

टैस्ट पास किए बिना नहीं बन सकेगा पक्का ड्राइविंग ला

चंडीगढ़, 30 अप्रैल (संघी): हरियाणा के मुख्य सचिव एस. सी. चौधरी के अनुसार प्रदेश के सभी उपमंडलों पर रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस अथॉरिटीज की कार्यप्रणाली को सुचारू बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

वह आज यहां परिवहन विभाग की सूचना तकनीक से संबंधित राज्य स्तरीय कार्यशाला में रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस अथॉरिटीज को संबोधित

कर रहे थे।

परिवहन आयुक्त सुमिता मिश्रा ने कहा कि मई माह के अंत तक 'सटाल टैस्ट' लागू कर दिया जाएगा, इसके बिना भविष्य में पक्का लाइसेंस नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अब तक 22 रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस अथॉरिटीज में लागू हो चुका है और बाकी में मई के आखिरी सप्ताह तक लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्मार्ट

ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया जारी है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परिवहन विभाग के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर 'वाहन' एवं 'सारथी' का प्रयोग करें और अपनी विभागीय ई-मेल को प्रतिदिन 2 बार अवश्य चेक करें। मिश्रा ने बताया कि डीलर प्वाइंट रजिस्ट्रेशन सिस्टम को गत 28 फरवरी से पंचकूला से शुरू किया गया है।

उन्होंने वी.आई.पी. नंबर के बारे

में बताया कि रू एच.एम.वी.आर. नंबर वाहन मालि परिवार के सदस्य सकते हैं।

कुछ उपम रजिस्ट्रेशन क्लर्क में क्लयीर नहीं को नंबर ट्रांसफर दोबारा से फीस लिए कहते हैं।

प्रदेश की महिलाओं ने पर्दा प्रथा के खिलाफ छेड़ी मुहिम

बीड़ पिपली से अभियान की शुरुआत

कुरुक्षेत्र, 30 अप्रैल (धमीजा): महिलाओं को पर्दे के पीछे से निकालने के लिए एक मुहिम छेड़ी दी गई है। बीड़ पिपली गांव में अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच ने 31 महिलाओं को पर्दे से मुक्ति दिलवाई। कुछ शिक्षित महिलाओं ने इस अभियान की शुरुआत की है।

शक्ति मंच की राष्ट्रीय अध्यक्षा डा. संतोष दहिया ने कहा कि गुलामी के दौर में पर्दा प्रथा एक मजबूरी थी, लेकिन अब महिलाएं अपने अधिकारों के लिए सशक्त हो गई हैं और हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। प्रदेशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में यह अभियान चलाया जाएगा और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को पर्दा प्रथा से मुक्ति दिलाई जाएगी। युवाओं और बुजुर्गों को इस मुहिम के साथ जोड़ा जाएगा, इसलिए इस मुहिम को सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू किया गया। इस मुहिम में जहां पहले दिन युवाओं ने सर्वाधिक भागीदारी की



अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच की राष्ट्रीय अध्यक्षा संतोष दहिया महिलाओं को पर्दा प्रथा से मुक्ति दिलाती हुई। (सूरी)

बल्कि बुजुर्गों ने भी साथ दिया।

कार्यक्रम में महिलाओं ने संकल्प लिया कि वह पर्दा मुक्ति के लिए अन्य महिलाओं को भी जागरूक करेंगी ताकि देश में एक उदाहरण प्रस्तुत किया जा सके। कुरुक्षेत्र धर्मनगरी से इस अभियान की शुरुआत होने से पूरे देश में लोगों को एक संदेश मिलेगा और वह संगोष्ठियां व अन्य शामिल कर पर्दा मुक्ति के लिए कदम उठाएंगी।

युवक व

सोनीपत, हनुमान मंदिर युवक की ह पुलिस जब प्रतिशत जल सिर व आंख लग रही है ने शव में टूटी हुई मि नशे में अं दरवाजा स आरोपियों पम्प के स मौके पर देकर करी

2 ब प्रेमी

राई, लिवासा प्रेमी संग दोनों के में पंखे मालिक को दी को तो उतारा सामान ज (22) व उ

विजेताओं को हार्दिक बधाई!

Photos of the event:

Dr. Santosh Dahiya alongwith the event attendees and participants.



Author: Phool Kumar, Nidana Heights

Dated: 01/05/2014